वित्तीय अधिकार नियम पुस्तिका-१९७८, भाग दोन खाली वित्तीय अधिकार प्रदान करणे.

० ते ६०० हे. मर्यादेतील सिंचन प्रकल्पांचे रु. ५.०० कोटी पर्यंतच्या नवीन व रु. ५०.०० लक्ष पर्यंतच्या विशेष दुरुस्तीच्या अनावर्ती कामांना प्रशासकीय (वित्तीय मंजुरी धरुन) मान्यता प्रदान करण्याचे अधिकार मृद व जलसंधारण विभागास देणेबाबत..

महाराष्ट्र शासन मृद व जलसंधारण विभाग, शासन निर्णय क्र. संकीर्ण-२०२१/प्र.क्र. २८७(भाग-३)/जल-१

मंत्रालय, मुंबई ४०० ०३२ दिनांक: २४ जानेवारी, २०२४.

वाचाः- वित्त विभाग, शासन निर्णय क्र. विअप्र-२०१३/प्र.क्र.३०/२०१३/विनियम, भाग-२, दि.१७ एप्रिल, २०१५. प्रस्तावना:-

मृद व जलसंधारण विभाग हा दि. ३१ मे २०१७ च्या शासन निर्णयान्वये नव्याने निर्माण झालेला असुन विभागाची कार्यकक्षा ० ते ६०० हे. इतकी आहे. सद्यस्थितीत मृद व जलसंधारण विभागातील ० ते ६०० हे. मर्यादेतील सिंचन प्रकल्पांचे नवीन कामे व विशेष दुरुस्तीच्या कामांना मंजुरी देण्याकरीता मृद व जलसंधारण विभागाकडून वित्तीय अधिकार नियम पुस्तिका, १९७८ भाग-पहिला, उपविभाग तीन, अ.क्र.४, नियम क्र. २७(२) (अ) या वित्तीय शक्तीचा वापर करण्यात येतो. सदर नियमानुसार प्रशासनिक विभागास (मृद व जलसंधारण विभाग) पुढीलप्रमाणे वित्तीय शक्ती प्रदान करण्यात आली आहे:- "योजनेला किंवा प्रस्तावाला प्रशासकीय (वित्तीय मंजुरी धरून) मान्यता देणे- प्रशासनिक विभागास अनावर्ती खर्चाच्या बाबतीत रू. ५.०० कोटी आणि किंवा आवर्ती खर्चाच्या बाबतीत वार्षिक रू.५०.०० लक्ष पर्यत पूर्ण अधिकार" तथापि, असे काम योजनांतर्गत स्वरूपाचे असल्यास त्यास नियोजन विभागाची पूर्व मान्यता घेण्याची अट विहीत करण्यात आली आहे.

राज्यातील दुष्काळी परिस्थितीवर कायमस्वरुपी उपाययोजना करण्याच्या दृष्टीने लघुसिंचन योजना अत्यंत उपयोगी असल्याने ० ते ६०० हेक्टर सिंचन क्षमता असलेल्या लघु सिंचन योजनांचे बांधकाम, देखभाल दुरुस्ती व व्यवस्थापन मृद व जलसंधारण विभागामार्फत करण्यात येतात. मृद व जलसंधारण विभागांतर्गत राबविण्यात येणारे जलसंधारण उपचार बांधकाम हे छोट्या व विखुरलेल्या स्वरुपाचे आहेत तसेच दि. ३१-०५-२०१७ च्या शासन निर्णयानुसार विभागाची कार्यकक्षा ६०० हे. पर्यंत वाढविण्यात आल्याने रु. ५ कोटींपेक्षा जास्त किंमतीचे प्रस्ताव प्रशासकीय मान्यतेस्तव वित्त व नियोजन विभागास सादर होत आहेत. यास्तव, नियोजन विभागाच्या पूर्वसहमतीची अट रद्द करुन मृद व जलसंधारण विभागांतर्गत रु. ५.०० कोटी पर्यंतच्या नवीन व रु. ५०.०० लक्ष पर्यंतच्या विशेष दुरुस्तीच्या अनावर्ती कामांना प्रशासकीय (वित्तीय मंजुरी धरुन) मान्यता प्रदान करण्याचे अधिकार पूर्णत: मृद व जलसंधारण विभागास प्रदान करण्याची बाब शासनाच्या विचाराधीन होती. त्यास अनुसरून खालीलप्रमाणे निर्णय घेण्यात येत आहे.

शासन निर्णय :-

मृद व जलसंधारण विभागांतर्गत राबविण्यात येणारे जलसंधारण उपचार बांधकाम हे छोट्या व विखुरलेल्या स्वरुपाचे आहेत तसेच दि. ३१-०५-२०१७ च्या शासन निर्णयानुसार विभागाची कार्यकक्षा ६०० हे. पर्यंत वाढविण्यात आल्याने रु. ५ कोटींपेक्षा जास्त किंमतीचे नवीन/दुरूस्ती प्रस्ताव प्रशासकीय मान्यतेस्तव सादर होत आहेत.

जलसंधारण योजनांतर्गत संकल्पित पाणीसाठा होण्यासाठी व नियोजित क्षेत्र सिंचनाखाली येण्यासाठी नवीन जलसंधारण उपचार कामांची बांधकाम करणे व अस्तित्वातील क्षतीग्रस्त झालेल्या बांधकामांची कार्यक्षमता वाढविण्याच्या अनुषंगाने प्रकल्पांच्या दुरुस्तीची कामे तातडीने करणे शक्य व्हावे, याकरिता रु. ५.०० कोटी पर्यंतच्या नवीन व रु. ५०.०० लक्ष पर्यंतच्या विशेष दुरुस्तीच्या अनावर्ती कामांना प्रशासकीय (वित्तीय मंजुरी धरुन) मान्यता देणेकरिता, वित्तीय अधिकार नियम पुस्तिका, १९७८, भाग-दोन खाली मृद व जलसंधारण विभागास पुढीलप्रमाणे अधिकार प्रदान करण्यात येत आहेत:-

| | | अधिकाराचा वापर | |
|-----|-----------------------------|-----------------|--|
| | | करण्यास सक्षम | |
| अ. | 0 0 - 0 - 0 | असलेले | 2- 2 |
| क्र | वित्तीय शक्तीचे वर्णन | प्रचलित/ | अटी |
| | | प्रस्तावित | |
| | | प्राधिकारी | |
| 9 | २ | 3 | 8 |
| | अ. नवीन कामे | | |
| ٩ | आर्थिक मापदंडात सफल | प्रशासनिक विभाग | १) अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध असली पाहिजे. |
| | असणाऱ्या रु.५.०० कोटी | (पूर्ण अधिकार) | २) योजना शासनाच्या धोरणानुसार/ कार्यक्रमानुसार |
| | पेक्षा कमी मूल्याच्या नवीन | | तसेच ज्या ठिकाणी भौतिक आणि वित्तीय प्रमाणके निश्चित |
| | योजनेस प्रशासकीय | | केलेली आहेत त्यानुसार विहित केलेली असावी. |
| | (वित्तीय मंजुरी धरून) | | 3) योजनेत/प्रस्तावात कोणत्याही प्रकारची नवीन पदे |
| | मान्यता देणे. | | निर्माण करण्याचा, नवीन मोटार वाहन खरेदीचा, दूरध्वनी |
| | | | बसविण्याचा इ. आवर्ती भार शासनावर कायम स्वरूपी |
| | | | ठेवणाऱ्या प्रस्तावांचा तसेच कार्यालयीन सामग्री खरेदी |
| | | | करणे इत्यादींचा अंतर्भाव असू नये. |
| | | | ४) योजना/ प्रस्ताव मांडताना बिगर शासकीय अथवा |
| | | | स्वयंसेवी संघटनांना किंवा व्यक्तिगत लाभधारकांना ज्या |
| | | | दराने योजनांतर्गत/योजनेत्तर अनुदान अर्थसहाय्य दिले |
| | | | जाते त्या अनुदानाच्या रकमेत/दरात वाढ प्रस्तावित करू |
| | | | नये. |
| | | | ५) प्रशासकीय मान्यता दिल्याखेरीज अर्थसंकल्पीय |
| | | | तरतूद करण्यात येऊ नये. तसेच अर्थसंकल्पीय तरतूद |
| | | | उपलब्ध होण्यापूर्वी खर्च करण्यात येऊ नये. |
| 2 | आर्थिक मापदंडात सफल | प्रशासनिक विभाग | १) अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध असली पाहिजे. |
| | असणाऱ्या रु.५.०० कोटी व | (पूर्ण अधिकार) | २) योजना शासनाच्या धोरणानुसार/ कार्यक्रमानुसार |
| | त्यापेक्षा जास्त मूल्याच्या | - | तसेच ज्या ठिकाणी भौतिक आणि वित्तीय प्रमाणके निश्चित |
| | | | |

| | नवीन योजनेस प्रशासकीय | | केलेली आहेत त्यानुसार विहित केलेली असावी. | |
|----|----------------------------|----------------|--|--|
| | (वित्तीय मंजुरी धरून) | | ३) अशा योजनांना वित्त विभाग व नियोजन विभागाची | |
| | मान्यता देणे. | | पूर्वसहमती घेण्यात यावी. | |
| | | | ४) योजनेत/प्रस्तावात कोणत्याही प्रकारची नवीन पदे | |
| | | | निर्माण करण्याचा, नवीन मोटार वाहन खरेदीचा, दूरध्वनी | |
| | | | बसविण्याचा इ.आवर्ती भार शासनावर कायम स्वरूपी | |
| | | | ठेवणाऱ्या प्रस्तावांचा तसेच कार्यालयीन सामग्री खरेदी | |
| | | | करणे इत्यादींचा अंतर्भाव असू नये. | |
| | | | ५) योजना / प्रस्ताव मांडताना बिगर शासकीय अथवा | |
| | | | स्वयंसेवी संघटनांना किंवा व्यक्तिगत लाभधारकांना ज्या | |
| | | | दराने योजनांतर्गत/योजनेत्तर अनुदान अर्थसहाय्य दिले | |
| | | | जाते त्या अनुदानाच्या रकमेत/दरात वाढ प्रस्तावित करू | |
| | | | नये. | |
| | | | ६) प्रशासकीय मान्यता दिल्याखेरीज अर्थसंकल्पीय | |
| | | | तरतूद करण्यात येऊ नये. तसेच अर्थसंकल्पीय तरतूद | |
| | | | उपलब्ध होण्यापूर्वी खर्च करण्यात येऊ नये. | |
| ब. | ब. दुरूस्ती कामे | | | |
| | आर्थिक मापदंडात सफल | | | |
| | असणाऱ्या रु.५०.०० लक्ष | (पूर्ण अधिकार) | २) सदर शक्ती केवळ दुरुस्ती करिताच लागू राहील. | |
| | पर्यंतच्या दुरुस्ती योजनेस | | ३) दुरुस्तीच्या कामासाठी विहीत निविदा पद्धतीचे | |
| | प्रशासकीय (वित्तीय मंजुरी | | अनुपालन करणे आवश्यक राहील. | |
| 3 | धरून) मान्यता देणे. | | ४) दुरुस्तीच्या कामांना प्रशासकीय मान्यता देताना | |
| ٧ | (योजनेची किंमत शासन | | विभागाकडून वेळोवेळी विहीत केलेल्या अटी व शर्तीचे | |
| | प्रचलित मापदंडानुसार | | पालन करणे आवश्यक असेल. | |
| | येणाऱ्या नवीन योजनेच्या | | | |
| | किंमतीच्या तुलनेत २०% | | | |
| | च्या मर्यादेत असल्यास) | | | |
| | आर्थिक मापदंडात असफल | | १) अर्थसंकल्पीय तरतूद उपलब्ध असली पाहिजे. | |
| | असणाऱ्या रु.५०.०० लक्ष | | २) प्रशासकीय विभाग स्तरावर तांत्रिक समिती गठीत | |
| 8 | पर्यंतच्या दुरूस्ती योजनेस | | करून त्या समितीच्या शिफारशीने प्रशासकीय मान्यता | |
| | प्रशासकीय (वित्तीय मंजुरी | | प्रदान करावी. | |
| | धरून) मान्यता देणे. | | 3 | |
| | (योजनेची किंमत शासन | (पूर्ण अधिकार) | ४) दुरुस्तीच्या कामासाठी विहीत निविदा पद्धतीचे | |
| | प्रचलित मापदंडानुसार | | अनुपालन करणे आवश्यक राहील. | |
| | येणाऱ्या नवीन योजनेच्या | | ५) दुरुस्तीच्या कामांना प्रशासकीय मान्यता देताना | |
| | किंमतीच्या तुलनेत २०% | | विभागाकडून वेळोवेळी विहीत केलेल्या अटी व शर्तीचे | |
| | च्या मर्यादेत नसल्यास) | | पालन करणे आवश्यक असेल. | |

प्रस्तुत शासन निर्णय हा नियोजन विभागाच्या अनौपचारीक संदर्भ क्र. २०७/१४३४, दि.१७-१२-२०२२ व वित्त विभागाच्या अनौपचारीक संदर्भ क्र. २३३/व्यय-१५, दि.२४-०४-२०२३ व १५८/२०२३/विनियम, दि. २७-०४-२०२३ अन्वये दिलेल्या सहमतीनुसार निर्गमित करण्यात येत आहे. सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या <u>www.maharashtra.gov.in</u> या संकेत स्थळावर उपलब्ध करण्यात आला असून, त्याचा सांकेतांक क्रमांक २०२४०१२४१६२६००१०२६ असा आहे. हा आदेश डिजीटल स्वाक्षरीने साक्षांकित करून काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने.

(सु. म. काळे) मुख्य अभियंता तथा सहसचिव महाराष्ट्र शासन

प्रति.

- १) मा. राज्यपाल यांचे सचिव, राजभवन, मलबार हिल, मुंबई.
- २) मा. मुख्यमंत्री, यांचे अप्पर मुख्य सचिव.
- ३) मा. विरोधी पक्षनेता, विधान परिषद/विधानसभा, विधान मंडळ सचिवालय, विधानभवन, मुंबई.
- ४) सर्व मा. मंत्री/ राज्यमंत्री यांचे खाजगी सचिव
- ५) मा. मंत्री (मृद व जलसंधारण) यांचे खाजगी सचिव
- ६) मा. मुख्य सचिव, महाराष्ट्र राज्य, मंत्रालय, मुंबई.
- ७) अपर मुख्य सचिव (नियोजन), नियोजन विभाग, मंत्रालय, मुंबई.
- ८) अपर मुख्य सचिव (वित्त), वित्त विभाग, मंत्रालय, मुंबई
- ९) सचिव (मृद व जलसंधारण) यांचे स्वीय सहाय्यक
- १०) महालेखापाल-१ (लेखा व अनुज्ञेयता) (लेखापरीक्षण), महाराष्ट्र राज्य, मुंबई.
- ११) आयुक्त, मृद व जलसंधारण, जलआयुक्तालय, औरंगाबाद.
- १२) व्यवस्थापकीय संचालक, महाराष्ट्र जलसंधारण महामंडळ, औरंगाबाद.
- १३)अपर आयुक्त तथा मुख्य अभियंता, मृद व जलसंधारण,सर्व.
- १४) प्रादेशिक जलसंधारण अधिकारी, मृद व जलसंधारण विभाग, सर्व.
- १५) निवड नस्ती (जल-१)